भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1909

03.07.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

विभिन्न देशों में आतंकवाद की समस्या

1909. श्री रामप्रीत मंडल:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत की ही तरह विभिन्न देश आतंकवाद के शिकार हो गए हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसे देशों के नाम क्या हैं और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या भारत के प्रतिनिधियों ने इन सभी देशों का दौरा किया है और विश्वव्यापी आतंकवाद के बारे में उनके संबंधित विभागों से चर्चा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का विचार इन देशों के साथ द्विपक्षीय संधि पर हस्ताक्षर करने का है और इस संबंध में कोई कार्ययोजना तैयार की है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी देश-वार ब्यौरा क्या है और इस कार्ययोजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री वी. मुरलीधरन)

(क) और (ख) जी, हां। अभी हाल ही में विश्व के कई भागों में आतंकवादी घटनाएं हुई हैं जिनमें अफगानिस्तान, मिश्र, ईरान, नाइजीरिया, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और सीरिया शामिल हैं। सरकार विश्व में कहीं भी हो रही आतंकवादी हमलों की कड़े से कड़े शब्दों में भर्त्सना करती है।

(ग) से (ड.) सरकार विभिन्न उच्चस्तरीय और अन्य आधिकारिक यात्राओं के दौरान आतंकवाद के मुद्दे पर अन्य देशों से निरंतर बातचीत में लगी रहती है। सरकार ने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए 23 देशों और 3 समूहों अर्थात बिम्सटेक, ब्रिक्स और यूरोपीय संघ के साथ संयुक्त कार्य समूह भी गठित किए हैं। संयुक्त कार्य दलों की बैठकें नियमित आधार पर आयोजित की जाती हैं और ये बैठकें खतरे की आशंकाओं, इससे जुड़े अनुभवों और सर्वोत्कृष्ट कार्य पद्धतियों तथा क्षमता निर्माण उपायों के आदान-प्रदान के संबंध में विचारों की साझीदारी के लिए उपयोगी पाई गई हैं। सरकार उभरती स्थितियों के आधार पर आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अन्य देशों के साथ यथावश्यक बातचीत जारी रखेगी। भारत ने वर्ष 1996 में

अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर एक व्यापक अभिसमय का प्रस्ताव किया या और इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने और अंगीकार किए जाने के लिए निरंतर दबाव देता रहा है।

***